क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 349, शनिवार, 19 जनवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी में सपा-बसपा की बेरुखी से कांग्रेस नेता निराश, पर वोट बढ़ने की उम्मीद

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश में सपा, बसपा और रालोद गठबंधन में जगह न मिलने के बाद राज्य की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही कांग्रेस को उम्मीद है कि उसे सीट भले ज्यादा न मिलें पर वह अपना मत प्रतिशत बढ़ाने में सफल रहेगी। प्रदेश कांग्रेस के नेता मान रहे हैं कि गठबंधन में चुनाव लड़ने पर कांग्रेस को ज्यादा फायदा होता और सपा व बसपा के फैसले से उनकी उम्मीदों को झटका लगा है। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने 12 जनवरी को लखनऊ में एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर अगला लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ने का ऐलान किया था। कांग्रेस को तब तक यह उम्मीद थी कि इस गठबंधन में उसे भी जगह मिल सकेगी। अब कांग्रेस राज्य की सभी 80 लोकसभा सीटों पर अकेले उतरने या फिर छोटी पार्टियों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी भी ऐलान कर चुके हैं कि उत्तर प्रदेश में पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ा जाएगा। इसी तैयारी के तहत गांधी अगले महीने राज्य में 13 सभाएं करने जा रहे हैं। लेकिन नेतृत्व की इस घोषणा के बावजूद उत्तर प्रदेश से जुड़े कांग्रेस नेताओं में अकेले चुनावी मैदान में जाने को लेकर बहुत उत्साह नहीं है। पीटीआई-भाषा ने प्रदेश के कुछ वरिष्ठ नेताओं से बात की। उत्तर प्रदेश से सांसद रह चुके कांग्रेस एक के नेता नाम न दिए जाने की शर्त पर कहा, %यह बात सच है कि अगर सपा-बसपा के साथ कांग्रेस कुछ चुनिंदा सीटों पर चुनाव लड़ती तो हमारे लिए चीजें आसान होतीं, लेकिन अब हमें उम्मीद है कि सभी सीटों पर लड़ने से पूरे प्रदेश में संगठन में नयी जान आ सकती है।% उन्होंने कहा, %मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की जीत के बाद जमीन पर स्थिति बहुत बदली है। जो लोग हमें कमतर आंक रहे हैं, वह कुछ महीनों बाद गलत भी साबित हो सकते हैं।

PM मोदी का दावा, 2014 से अब तक रोजगार के करोड़ो अवसर पैदा हुये

उन्होंने कहा कि ब्याज में छूट की योजना को बढ़ाकर पांच प्रतिशत करने तथा इसमें मर्चेंट निर्यातकों को भी शामिल करने से निर्यातकों को 600 करोड़ रुपये तक का फायदा होगा।

अहमदाबाद।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी सरकार ने पिछले साढ़े चार साल में देश में विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के करोड़ों अवसर सृजित करने में मदद की है। स्वतंत्र परामर्श दाता संगठन सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) ने हाल ही में अनुमान व्यक्त किया था कि देश में 2018 में 1.10 करोड़ नौकरियां समाप्त हुई। ग्रामीण क्षेत्र पर इसका सबसे बुरा असर रहा। ऐसे में मोदी का यह दावा महत्वपूर्ण हो जाता है। मोदी ने यहां अहमदाबाद खरीदारी महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद कहा, ''चाहे पर्यटन हो या विनिर्माण या सेवा क्षेत्र, पिछले साढ़े चार साल के दौरान रोजगार के करोड़ों अवसर सृजित हुए हैं।'' इस महोत्सव का आयोजन इसी तरह के कई विदेशी आयोजनों की तर्ज पर किया जा रहा है। इसमें 15 हजार से अधिक विक्रेता भाग ले रहे हैं जो अगले 12 दिनों तक उपभोक्ताओं को भारी छूट की पेशकश कर रहे हैं। मोदी ने गुजरात सरकार तथा समारोह के आयोजकों से कहा कि वे इसे सालाना समारोह का रूप दें। उन्होंने कहा, ''हम सामान्यतः बड़े कारोबारी सम्मेलनों के साथ इस तरह का आयोजन विदेशों में ही देख पाते हैं। वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन के साथ अहमदाबाद खरीदारी महोत्सव का आयोजन सराहनीय प्रयास है।'' उन्होंने कहा, ''गली-नुक्कड़ में बेचने वालों से लेकर शॉपिंग मॉल तक के, हथकरघा से लेकर इलेक्ट्रानिक्स और होटल-रेस्तरां कारोबार तक सभी यहां अपने कारोबार को बढ़ावा देने आये हैं।'' मोदी ने कहा, ''मैं गुजरात सरकार, अहमदाबाद प्रशासन और शैलेष पटवारी (गुजरात वाणिज्य एवं उद्योग मंडल के पूर्व अध्यक्ष) जैसे मित्रों से अनुरोध करता हूं कि वह इसे हर साल एक ही समय आयोजित होने वाला समारोह बनाने की संभावना पर गौर करें।'' उन्होंने कहा कि इस तरह के समारोहों से छोटे कारोबारियों को बड़ा बाजार खोजने में मदद मिलेगी। उन्होंने इस दौरान खादी का एक जैकेट भी खरीदा। मोदी ने कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) की हरसंभव तरीके से मदद कर रही है। उन्होंने इस क्षेत्र के लिये उठाए गए विविध कदमों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ब्याज में छूट की योजना को बढ़ाकर पांच प्रतिशत करने तथा इसमें मर्चेंट निर्यातकों को भी शामिल करने से निर्यातकों को 600 करोड़ रुपये तक का फायदा होगा।

मोहन भागवत बोले, कोई युद्ध नहीं फिर भी सीमा पर शहीद हो रहे हैं जवान

नई दिल्ली।

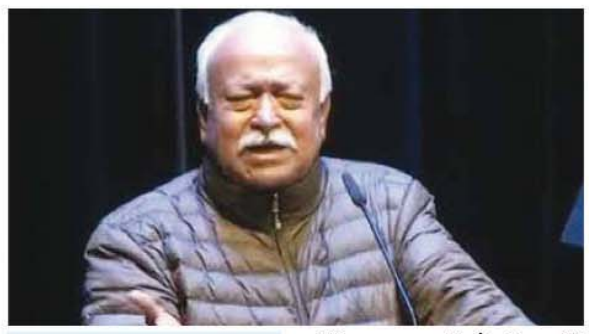

देश को बड़ा बनाना है, तो देश के लिए जीना सीखना होगा। आरएसएस प्रमुख ने प्रहार समाज जागृति संस्था के रजत जयंती कार्यक्रम के अवसर पर यहां कहा कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि हम अपना काम ठीक से नहीं कर रहे हैं

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि कोई युद्ध नहीं हो रहा है फिर भी देश की सीमाओं पर सैनिक शहीद हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां युद्ध नहीं है तो भी शहादत होती हैं। कारण है कि हम अपना काम ठीक नहीं कर रहे। नहीं तो किसी के साथ युद्ध नहीं है, तो सीमा पर सैनिक के मरने का कारण नहीं है, लेकिन होता है। उसे ठीक करना है। देश को बड़ा बनाना है, तो देश के लिए जीना सीखना होगा। आरएसएस प्रमुख ने प्रहार समाज जागृति संस्था के रजत जयंती कार्यक्रम के अवसर पर यहां कहा कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि हम अपना काम ठीक से नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत को आजादी मिलने से पहले देश के लिए जान कुर्बान करने का वक्त था। आजादी के बाद युद्ध के दौरान किसी को सीमा पर जान कुर्बान करनी होती है। (लेकिन) हमारे देश में (इस वक्त) कोई युद्ध नहीं है फिर भी लोग(सैनिक) शहीद हो रहे है...क्योंकि हम अपना काम ठीक ढंग से नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई युद्ध नहीं है तो कोई कारण नहीं है कि कोई सैनिक सीमा पर अपनी जान गंवाए। लेकिन ऐसा हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसे रोकने और देश को महान बनाने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि लड़ाई हुई तो सारे समाज को लड़नी पड़ती है। सीमा पर सैनिक जाते हैं। सबसे ज़्यादा खतरा वे मोल लेते हैं। खतरा मोल लेकर भी उनकी हिम्मत कायम रहे, सामग्री कम न पड़े, अगर किसी का बलिदान हो गया, तो उसके परिवार को कमी न हो, यह चिंता समाज को करनी पड़ती है।

ममता बनर्जी का दावा, भाजपा के लिये काल बनेगी तृणमूल की विशाल रैली

कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस की निगाहें इस वक्त दिल्ली पर हैं और पार्टी शनिवार को कोलकाता में होने वाली ''संयुक्त विपक्षी रैली'' के लिये तैयार है। तृणमूल प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि यह रैली लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा के लिये ''मृत्यु-नाद'' की मुनादी होगी। भगवा पार्टी के ''कुशासन'' के खिलाफ संयुक्त लड़ाई का संकल्प जताने के लिये कोलकाता के प्रतिष्ठित ब्रिगेड परेड मैदान में शनिवार को होने वाली इस रैली में 20 से अधिक विपक्षी दलों के शिरकत करने की संभावना है। तृणमूल को उम्मीद है कि इस रैली से ममता ऐसे नेता के तौर कर उभरकर सामने आयेंगी जो ''अन्य दलों को साथ लेकर'' चल सकती हैं और आम चुनावों के बाद सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनौती दे सकती हैं। विशाल विपक्षी रैली का आयोजन बनर्जी की सोच का नतीजा है। उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा था कि लोकसभा चुनावों में क्षेत्रीय पार्टियां निर्णायक कारक साबित होंगी। उन्होंने कहा, ''भाजपा के कुशासन के खिलाफ यह ''संयुक्त भारत रैली'' होगी। यह भाजपा के लिये मृत्युनाद की मुनादी होगी... आम चुनाव में भगवा पार्टी 125 से अधिक सीटें नहीं जीत पायेगी। राज्य की पार्टियों द्वारा जीती गयी सीटों की संख्या भाजपा की तुलना में अधिक होगी।'' उन्होंने दावा किया, ''संघीय पार्टियां यानी क्षेत्रीय पार्टियां चुनावों के बाद निर्णायक कारक साबित होंगी।'' विशाल रैली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, एच डी कुमारस्वामी, एन. चंद्रबाबू नायडू, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा, पूर्व मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला और अखिलेश यादव, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के एम के स्टालिन के अलावा भाजपा के असंतुष्ट सांसद शत्रुघ्न सिन्हा शामिल होने वाले हैं।

'एक व्यक्ति' का विरोध ही महागठबंधन का आधारः अरुण जेटली

मुंबई।

केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने विपक्ष के महागठबंधन को बृहस्पतिवार को 'नकारात्मकता के नवाबों' का समूह करार दिया। उन्होंने कहा कि अलग अलग विचारों वाले इस समूह के एकसाथ आने के पीछे एकमात्र कारण 'एक व्यक्ति' (नरेंद्र मोदी) का विरोध है। जेटली ने वीडियो लिंक के जरिये एक टीवी चैनल के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीतिक तौर पर सजग और आकांक्षी हमारा समाज आत्महत्या सरीखे इस विकल्प को तवज्जो नहीं देगा। उन्होंने कहा, ''नकारात्मकता के नवाब एकसाथ आ तो सकते हैं पर जहां तक लोगों का सवाल है, इनके पास ऐसा कुछ नहीं है जिसे लेकर भरोसा किया जा सके।''

जेटली इस समय चिकित्सा के लिये अमेरिका गये हुए हैं। उन्होंने मंगलवार को देश छोड़ने के बाद पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित किया है। हाल ही में तीन हिंदी भाषी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की हार के बाद कुछ विपक्षी नेता गठबंधन जैसा विकल्प खड़ा कर चुनावों में जीत की उम्मीद रखने लगे हैं। जेटली ने कहा कि महागठबंधन को आपस में जोड़े रखने के लिये उनके पास न तो वैचारिक समानता है, न ही देश को आगे बढ़ाने का साझा कार्यक्रम है और न ही उनके पास कोई एक सर्वमान्य नेता है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व, निर्णयात्मकता, प्रदर्शन और संभावना की भारतीय जनता पार्टी की क्षमता के उत्तर में विपक्ष द्वारा पेश किया जा रहा विकल्प अंकगणितीय है। उन्होंने कहा कि राजनीति में अंकगणित से नहीं बल्कि गुणधर्म से सफलता मिलती है। जेटली ने कहा, ''उनका आधार है कि उनकी राजनीति गुणवत्ता से नकारात्मक है, और उनकी नकारात्मकता है कि उन्हें एक व्यक्ति (मोदी) सत्ता से बाहर चाहिये। किसी एक व्यक्ति को बाहर करने की नकारात्मकता ने उन्हें एक साथ खड़ा कर दिया है।'' भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि चुनाव की तैयारी के दौरान राजनीतिक बहस के स्तर को ऊपर उठाने की जरूरत है।

सुशील मोदी ने रघुवंश प्रसाद को NDA में शामिल होने का दिया न्योता

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी ने राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवंश प्रसाद की बृहस्पतिवार को प्रशंसा करते हुए उन्हें राजग में शामिल होने का न्योता दिया है। सुशील ने बृहस्पतिवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि रघुवंश जैसे नेता को राजद में उचित सम्मान नहीं दिया जा रहा है और न ही उनकी बातें सुनी जा रही हैं। ऊंची जाति के लोगों से द्वेष रखने और भूराबाल साफ करने जैसे अमर्यादित बयान देने वाले लालू प्रसाद के निर्देश पर राजद के सांसदों ने संसद के दोनों सदनों में आर्थिक आधार पर सवर्णों को रिजर्वेशन देने वाले बिल का विरोध किया। उन्होंने कहा कि रघुवंश को राजद छोड़कर राजग के साथ आना चाहिए। आएं, हम उन्हें पूरा सम्मान देंगे। उल्लेखनीय है कि रघुवंश ने बुधवार को कहा था कि उनकी पार्टी द्वारा सवर्ण आरक्षण को लेकर संसद में जो रुख अपनाया गया था, उस पर पार्टी के भीतर विचार हो रहा है। उन्होंने कहा था कि राजद प्रमुख लालू प्रसाद भी सवर्णों के समर्थन में बोलते रहे हैं। पूर्व में पार्टी के घोषणा पत्र में भी इसका जिक्र किया गया था। लोगों (पार्टी के नेताओं) ने जाना नहीं और देखा नहीं। सभी पार्टियों ने इस आरक्षण का समर्थन कर दिया और इन लोगों को ठग लिया। रसातल पर नहीं जाना चाहिए।

जींद उपचुनाव प्रदेश में कांग्रेस सरकार की नींव का पहला पत्थर साबित होगा: सुरजेवाला

जींद। जींद विधानसभा सीट के लिए हो रहे उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार रणदीप सिंह सुरजेवाला ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह उपचुनाव हरियाणा में कांग्रेस सरकार की नींव का पहला पत्थर साबित होगा। उन्होंने यहां कई नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जींद उपचुनाव खट्टर सरकार की विदाई का चुनाव है और यह उपचुनाव प्रदेश में कांग्रेस सरकार की नींव का पहला पत्थर साबित होगा। सुरजेवाला ने कहा कि जींद उपचुनाव किसी एक आदमी का चुनाव नहीं है, किसी व्यक्ति विशेष के लिए महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि यह चुनाव जींद इलाके के लिए अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा,'' इस उपचुनाव में कांग्रेस के कई जुझारू नेता उतरने को तैयार थे। मैंने भी किसी जुझारू नेता को चुनाव में उतारने का आग्रह कांग्रेस हाईकमान से किया था, क्योंकि मुझे पहले ही मौका मिल चुका था। लेकिन कांग्रेस हाईकमान ने हमें कहा कि यह उपचुनाव खट्टर सरकार को सत्ता से बाहर करने का चुनाव है। कांग्रेस हाईकमान की बात मानकर मैंने यहां से चुनाव लडने का फैसला लिया।'' उन्होंने दावा किया कि जब कांग्रेस जींद उपचुनाव से जीत हासिल करेगी तो पूरे प्रदेश में आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की 80 सीट पक्की हो जाएंगी। लोकसभा की सभी 10 सीटों पर कांग्रेस जीत हासिल करेगी।

कर्नाटकः कुमारस्वामी सरकार पर छाया संकट टला! कई नाराज विधायक वापस लौटे

बेंगलुरु।

कांग्रेस विधायक दल की शुक्रवार को होने वाली विधायक दल की अहम बैठक से पहले कई कांग्रेस विधायक पार्टी में लौट आए जिससे एचडी कुमारस्वामी नीत गठबंधन सरकार के लिए संकट के टलने की उम्मीद जगी है। इन विधायकों पर कथित तौर पर भाजपा की नजर थी। कांग्रेस ने पार्टी के अंदर असंतोष थामने की कोशिश तेज कर दी हैं। उधर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीएस येदियुरप्पा यहां पहुंचे और उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी सरकार को गिराने के किसी भी अभियान में शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के विधायक भी गुरुग्राम से लौट रहे हैं जहां वे कुछ दिनों से ठहरे हुए थे। सरकार को अस्थिर करने की 'व्यर्थ कोशिश' करने को लेकर भाजपा पर हमला करते हुए कुमारस्वामी ने उस पर अपने विधायकों को गुरूग्राम के एक होटल में 'बंधक बना कर' रखने का आरोप लगाया। सरकार गठन के अपने प्रयास के तहत कांग्रेस विधायकों को फुसलाने की भाजपा की कथित कोशिशों की खबरों से पैदा राजनीतिक उथल-पुथल से जूझ रहे कुमारस्वामी ने भगवा पार्टी के इस आरोप को खारिज कर दिया कि वह भाजपा विधायकों को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। शुक्रवार की कांग्रेस विधायक दल की बैठक को सरकार गिराने की भाजपा की कथित कोशिश के जवाब में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है। सत्तारूढ़ गठबंधन ने कहा है कि भाजपा की कोशिश विफल रही है। कांग्रेस विधायकों को जारी नोटिस विधायक दल के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने चेतावनी दी कि शुक्रवार की बैठक में विधायकों की गैर-मौजूदगी को गंभीरता से लिया जाएगा। सिद्धरमैया ने कहा, ÷मैं आपके संज्ञान में लाना चाहता हूं कि आपकी गैर हाजिरी को गंभरता से लिया जाएगा ।

लोकसभा चुनाव 2019: UP में बिगड़ेगा कांग्रेस का खेल, अरशद मदनी ने की अखिलेश से मुलाकात

लखनऊ।

लोकसभा चुनाव 2019 की जंग अब तेज हो चली है। हर तरफ सियासी बिसात बिछ रही है। खासतौर पर उत्तर प्रदेश में सपा-बसपा और रालोद का गठबंधन होने के बाद अब अपने अपने पक्ष को मजबूत करने का सिलसिला तेज हो चला है। इन सबके बीच मुसलमानों के बड़े संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने गुरुवार (17 जनवरी) को लखनऊ में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की।

जमीयत उलेमा-ए-हिन्द और कांग्रेस का रिश्ता आजादी के बाद से ही बड़ा मजबूत रहा है और गांधी परिवार के लोग जमीयत के कार्यक्रमों में शिरकत करते रहे हैं, ऐसे में अरशद मदनी की अखिलेश से हुई इस मुलाकात को राजनैतिक तौर पर कांग्रेस के लिए झटका माना जा रहा है।

मौलाना अरशद मदनी और अखिलेश यादव की ये मुलाकात करीब एक घंटे तक लखनऊ में हुई। इस बात की पुष्टि जमीयत उलेमा ए हिन्द के दिल्ली स्थित कार्यलय ने की है।

माना जा रहा है इसमें यूपी के सियासी और समाजी हालात पर बात हुई। उत्तर प्रदेश के वोटरों में मुस्लिम वोटों का बड़ा हिस्सा है। यूपी की कई लोकसभा सीटों पर मुस्लिम निर्णायक भूमिका में नजर आते हैं, ऐसे में अगर मौलाना अरशद मदनी गठबंधन के साथ खड़े दिखाए देते है, तो यकीनन इससे कांग्रेस को झटका लगेगा। क्योंकि कांग्रेस को सपा-बसपा-आरएलडी गठबंधन में जगह नहीं मिली है और अगर मुस्लिम उसके साथ नहीं आते तो यूपी में कांग्रेस की मुश्किलें और ज्यादा बढ़ेगी।

मौलाना अरशद मदनी देवबंद के बड़े इस्लामिक संस्थान दारुल उलूम में टीचर भी हैं और जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष होने के नाते मुसलमानों के एक बड़े तबके में उनकी बातों को तवज्जों दी जाती है। आपको बता दें कि यूपी में सपा-बसपा और रालोद का गठबंधन हुआ है और लगातार सभी पार्टियां वोटरों को साधने की कोशिश कर रही है। ऐसे में आने वाले दिनों में और ज्यादा सियासी गर्मी देखने को मिलेगी।

बालासाहेब ठाकरे नहीं होते तो हिंदुओं को भी नमाज पढ़नी पड़ती - शिवसेना

शिवसेना ने सवाल किया है कि सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर शिवाजी स्मारक का निर्माण रोक दिया है

मुंबई।

शिवसेना ने शिवाजी स्मारक के निर्माण को लेकर शुक्रवार को भाजपा के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा और उसने पूछा कि वह सुप्रीम कोर्ट के समक्ष इस मुद्दे पर अपना पक्ष रखने में असफल क्यों रही।शिवसेना ने कहा कि यह इस तथ्य के बावजूद हुआ कि सरकार चुनावों में ''जीत के लिए खरीद-फरोख्त करने'' जैसे अन्य मुद्दों पर कभी असफल नहीं होती। पार्टी ने कहा है, ''कुछ लोग पूछते हैं छत्रपति शिवाजी और बालासाहेब ठाकरे के स्मारक का क्या इस्तेमाल है? छत्रपति शिवाजी महाराज नहीं होते तो पाकिस्तान की सीमा तुम्हारी दहलीज तक आ गई होती और बालासाहेब ठाकरे नहीं होते तो हिंदुओं को भी नमाज पढ़नी पड़ता।'' पार्टी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर शिवाजी स्मारक का निर्माण रोक दिया है। यह बार-बार हो रहा है जिससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या सरकार स्मारक बनाने को लेकर गंभीर है। महाराष्ट्र और केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के सहयोगी दल ने कहा कि गुजरात में नर्मदा नदी के किनारे बिना किसी पर्यावरणीय या तकनीकी मुद्दे के सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का सफलतापूर्वक निर्माण किया गया। शिवसेना ने कहा कि सरकार ने सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को 10 फीसदी आरक्षण देने के लिए संविधान में संशोधन किया और इसी तरह तीन तलाक का मुद्दा हल किया जबकि अयोध्या में राम मंदिर और मुंबई में शिवाजी स्मारक के निर्माण का मुद्दा अब भी अनसुलझा है। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में एक संपादकीय में सवाल किया गया है, ''क्या अदालत स्मारक के निर्माण के बीच आ रही है या यह कोई और है जो नहीं चाहता कि यह बने तथा वह न्यायपालिका को ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है?'' शिवसेना ने कहा कि यह परियोजना 3600 करोड़ रुपये की है लेकिन सरकार शुरुआत से ही इसे लेकर गंभीर नहीं थी। उसने अदालत में शिवाजी स्मारक के निर्माण का मुद्दा अटकाने को ''शर्मनाक'' बताया।

संपादकीय

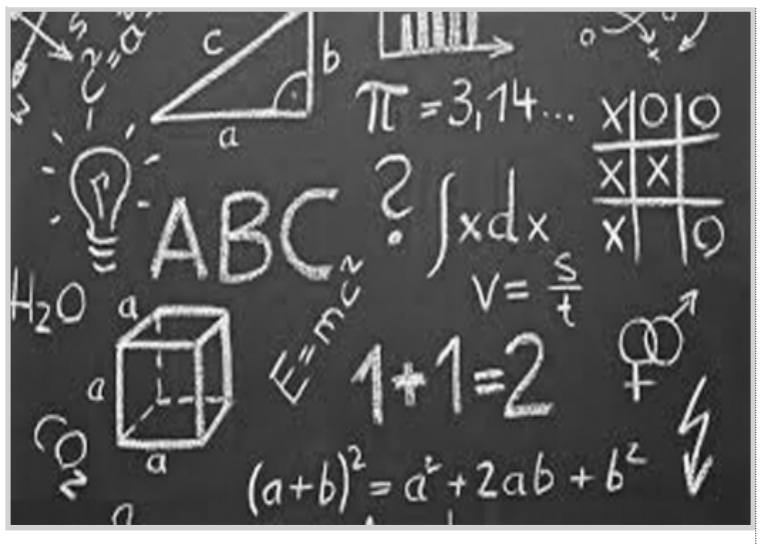

एनजीओ प्रथम की रिपोर्ट में कहा गया है कि आठवीं क्लास से पासआउट होने वाले आधे से अधिक बच्चे सामान्य गणित तक नहीं हल कर सकते। वहीं एक चौथाई बच्चे तो पढ़ तक नहीं सकते हैं। यह हालत इसलिए है क्योंकि हम पढ़ाई का तरीका बदलने पर ध्यान ही नहीं दे रहे हैं। आज यदि देश के स्कूल गणित की पढ़ाई में फिसड्डी साबित हो रहे हैं, तो इसकी चिंता सभी पक्षों को मिलकर करनी होगी।

गणित को लेकर बच्चों में डर क्यों?

सवा सौ साल पहले तमिलनाडु के इरोड में जनमे महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की पारिवारिक पृष्ठभूमि गणित की नहीं थी। जिस पारंपरिक ब्राह्मण परिवार में वे थे, उसमें गणित के क्षेत्र में उनका कोई मददगार भी नहीं था। पर औपचारिक पढ़ाई बीच में छोड़ देने वाले रामानुजन ने लंदन के ट्रिनिटी कॉलेज में प्रोफेसर लिटिलवुड के साथ मिल कर किए शोधकार्यों और प्रोफेसर हार्डी के निर्देशन में गणित की नई स्थापनाओं के जरिए पूरे संसार में हलचल मचा दी थी। रामानुजन की प्रतिभा के मद्देनजर 28 फरवरी-1918 को रॉयल सोसायटी ने उन्हें अपना सदस्य बना कर सम्मानित किया और ट्रिनिटी कॉलेज ने भी उन्हें अपना फैलो चुना। 'हाइली कंपोजिट नंबर' शीर्षक के अनुसंधान-कार्य ने उन्हें न सिर्फ पहले बीए और फिर पीएचडी की उपाधि दिलाई, बल्कि उनके शोध-प्रबंध का सार 'जर्नल ऑफ लंदन मैथेमैटिकल सोसाइटी' में छपा- जिसके बारे में दावा है कि उस समय तक ऐसा विद्वत्तापूर्ण आलेख उस जर्नल में नहीं छपा था। गणित में भारतीय मेधा के रूप में रामानुजन का उल्लेख आज के संदर्भ में इसलिए जरूरी हो जाता है कि एक ओर दुनिया में फिर से गणित की उपयोगिता का दायरा बढ़ रहा है, तो दूसरी ओर शून्य के आविष्कारक देश के रूप में प्रतिष्ठित भारत में इस विषय को लेकर कोई सनसनी नहीं दिखती।

यहां तक पिछले साल जब भारतीय मूल के प्रतिभाशाली गणितज्ञ मंजुल भार्गव को मैथमैटिक्स का फील्ड्स मेडल दिया गया, तो भी यह सवाल लोगों के जेहन में गूंजता रहा कि क्या ये उपलब्धियां भारतीय बच्चों और युवाओं में गणित के प्रति कोई उल्लेखनीय लगाव पैदा कर पाएंगी। दुनिया में फील्ड्स मेडल को नोबेल के समकक्ष माना जाता है और विशेषज्ञों का मत है कि इसे हासिल करना नोबेल पाने से भी ज्यादा कठिन है। पर जहां तक गणित के क्षेत्र में भारतीय मेधा का सवाल है, एक से बढ़ कर एक उदाहरण होने के बावजूद युवाओं में गणित से दूर भागने का रुझान दिखाई देता है। एनजीओ प्रथम की हाल में आई रिपोर्ट इसी तथ्य को इंगित करती है। आज भले ही देश में शिक्षा का अधिकार लागू होने से भले ही इस बात की आश्वस्ति मिल गई हो कि ज्यादा से ज्यादा बच्चे स्कूल में पढ़ें और कम ही स्कूल छोड़ने पर मजबूर हों। लेकिन सच्चाई यह है कि आठवीं क्लास से पासआउट होने वाले आधे से अधिक बच्चे सामान्य गणित तक नहीं कर सकते। वहीं एक चौथाई बच्चे तो पढ़ तक नहीं सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ सालों में बच्चों में सीखने की प्रक्रिया कुछ बेहतर हुई है। रिपोर्ट के अनुसार आठवीं क्लास में पढ़ने वाले 56 फीसदी छात्र तीन अंकों की संख्या को एक अंक के नंबर से भाग नहीं दे सकते हैं। वहीं पांचवीं क्लास के 72 फीसदी बच्चे भाग तक नहीं दे सकते हैं, जबकि तीसरी क्लास के 70 प्रतिशत बच्चे घटाना नहीं कर सकते। यह स्थिति एक दशक पहले से काफी बदतर है। साल 2008 में पांचवीं क्लास के 37 फीसदी बच्चे सामान्य गणित कर लेते थे, जबकि आज के समय यह संख्या 28 प्रतिशत से कम है। साल 2016 में तो यह आंकड़ा महज 26 प्रतिशत रह गया था। बच्चों के अंदर पढ़ सकने की भी समस्या आ रही है। देश भर में हर चार में से एक बच्चा पढ़ने की सामान्य स्किल की कमी की वजह से आठवीं क्लास के बाद पढ़ाई छोड़ दे रहा है। गणित की बेसिक जानकारी में लड़कियां, लड़कों से काफी पीछे हैं। केवल 44 फीसदी लड़कियां ही भाग कर सकती हैं, जबकि लड़कों में यह संख्या 50 फीसदी है। हालांकि हिमाचल प्रदेश, पंजाब, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु में आंकड़ा उलटा है, जहां लड़कियां काफी बेहतर कर रही हैं। यह सभी आंकड़े देश के 28 विभिन्न राज्यों के 596 जिलों से कलेक्ट किए गए हैं। 3 से 16 साल के आयु वर्ग में 3.5 लाख परिवार और 5.5 लाख बच्चे शामिल हैं।

अभी जो स्थिति है, उसमें हमारे देश में बच्चे मामूली जोड़-घटाव और गुणा करने तक के लिए कैलकुलेटर, मोबाइल फोन या कम्प्यूटर पर ही आश्रित नहीं हुए हैं, बल्कि वे गणित को आनंद का विषय भी नहीं मानते। गणित आनंद का विषय (जॉय ऑफ मैथ्स) हो सकता है- इस बारे में एक स्थापना महान गणितज्ञ जीएच हार्डी की है जिन्होंने अपनी किताब 'अ मैथमैटेशियंस अपोलॉजी' में यह बात स्वीकार की है कि भले ही अप्लाइड मैथ्स (व्यावहारिक गणित) को तुच्छ और नीरस माना जाता है, पर इसके दार्शनिक रोमांच और इसकी स्थायी एस्थेटिक वैल्यू यानी आनंद से इनकार नहीं किया जा सकता। हार्डी का बयान दार्शनिक कोटि का है और उन्होंने अप्लाइड मैथ्स की प्योर (विशुद्ध) मैथ्स से जो तुलना की है, आज वह बेमानी हो चुकी है क्योंकि इन दोनों दायरों का अंतर तेजी से मिट रहा है। गणित का संकट हमारे लिए यह है कि इस क्षेत्र में भारतीय मेधा के पिछड़ने के पूरे-पूरे आसार हैं। इससे संबंधित एक तथ्य तीन साल पहले (2012 में) अंतरराष्ट्रीय टेस्ट पीसा यानी 'प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट असेसमेंट' में भारतीय किशोरों की रैंकिंग से स्पष्ट हुआ था।

टेस्ट के नतीजों के आधार पर 73 देशों की जो सूची बनाई गई थी, भारतीय बच्चे उसमें 71वें स्थान पर आए थे। भारतीय किशोर सूची में शीर्ष पर रहे चीनी बच्चों के मुकाबले 200 अंक पीछे थे। पीसा टेस्ट का आयोजन आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन नामक संस्था कराती है और दो घंटे के इस टेस्ट में दुनिया भर के तकरीबन पांच लाख बच्चे हिस्सा लेते हैं। इससे पहले साल 2011 में ऑस्ट्रेलियन काउंसिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च द्वारा किशोरों में गणित और विज्ञान की जागरूकता के आकलन के बारे में कराई गई वैश्विक परीक्षा में भी भारतीय बच्चों का प्रदर्शन इतना ही निराशाजनक रहा था। उसमें भी 73 देशों के बच्चों ने हिस्सा लिया था और भारत सिर्फ किर्गिस्तान से ऊपर 72वें स्थान पर रहा था। हमने तब भी समस्या को थामने की ओर ध्यान नहीं दिया था।

गणित में बच्चों और बड़ों की अरुचि होना व उसे नीरस विषय मानना कोई अनहोनी नहीं है। शायद ऐसी अरुचि ही वजह थी कि जब अल्फ्रेड नोबेल मानवता को फायदा पहुंचाने वाले क्रांतिकारी आविष्कारों और खोजों को सम्मानित करने के लिए नोबेल पुरस्कारों का गठन कर रहे थे, तब उनके दिमाग में गणित जैसा विषय कोई हलचल पैदा नहीं कर पाया था। पर यह जानते हुए कि गणित की भूमिका हमारे आज के रोजमर्रा के कामकाज में लगातार बढ़ रही है, बच्चों में इसके प्रति दिलचस्पी कम होना एक खतरनाक संकेत है। ऐसे में प्रोफेसर मंजुल भार्गव की उपलब्धि हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है, लेकिन क्या उनका यह पुरस्कार भारतीय बच्चों-युवाओं में गणित के प्रति कोई रुचि जगा पाएगा! भले ही गणित को एक शुष्क विषय माना जाता हो, लेकिन आज के हालात में दुनिया गणित के कायदों पर घूम रही है। इस वक्त पूरी दुनिया में गणित की बढ़ती महत्ता इससे साबित होती है कि अमेरिका में पिछले अरसे में गणितज्ञों की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है। गणित के विशेषज्ञ वहां की सरकारी, निजी कंपनियों, सरकारी एजेंसियों और एनजीओ से लेकर शैक्षणिक संस्थाओं में ऊंचे वेतनमान पर नियुक्त किए जा रहे हैं।

भारत में गणित अध्ययन की परंपरा पुरानी है। आर्यभट्ट व ब्रह्मगुप्त को कौन नहीं जानता है। दुनिया को शून्य का ज्ञान सबसे पहले भारत ने ही कराया था। 14वीं सदी में गणितज्ञ माधव ने न्यूटन और लाइबनिज से पहले ही कैलकुलस के सिद्धांत खोज लिए थे। बीसवीं सदी के प्रारंभ में श्रीनिवास रामानुजन ने गणितीय अनुसंधानों से गणित की दुनिया को रोमांचित कर दिया। आज यदि देश के स्कूल गणित की पढ़ाई में फिसड्डी साबित हो रहे हैं, तो इसकी चिंता सभी पक्षों को मिलकर करनी होगी।

अभिषेक कुमार
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

राम रहीम का फिर हिसाब

साध्वियों से बलात्कार के मामले में 20 साल कैद की सजा भुगत रहे गुरमीत राम रहीम को सीबीआई कोर्ट ने पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट का यह फैसला स्वयंभू बाबा या संत बने लोगों के खिलाफ समाज में माहौल बनाएगा।

साध्वियों से रेप के मामले में 20 साल कैद की सजा भुगत रहे गुरमीत राम रहीम को सीबीआई कोर्ट से फिर झटका लगा है। 2002 में हुए पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में राम रहीम को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है और 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। फैसले का मतलब यह हुआ कि अब जब तक राम रहीम जिंदा रहेगा, तब तक जेल में रहेगा। अब भी दो मामलों का फैसला बाकी है, जिसमें एक हत्या और दूसर नपुंसक बनाने का है। सीबीआई के वकील ने फांसी की सजा की मांग की थी, जबकि बचाव पक्ष ने कम सजा का हवाला देते हुए रहम की मांग की थी। कोर्ट ने 11 जनवरी को राम रहीम को हत्या मामले में दोषी करार दिया था। हालांकि इसमें 16 साल लग गए। इसे भारतीय न्याय व्यवस्था के खिलाफ एक टिप्पणी की तरह भी लिया जा सकता है, लेकिन सारे तथ्य सामने हों तो यह अंदाजा भी लगाया जा सकता है कि अदालत के लिए इस मामले में फैसले तक पहुंचना कितना कठिन रहा होगा। हमारी अदालतें न्याय करने में इतनी देर क्यों लगाती हैं, इस सवाल पर कई कोणों से चर्चा होती रही है।

इस क्रम में एक बड़ी समस्या की अनदेखी हो जाती है कि अपराध के तमाम मामलों में आरोपी चाहे कोई भी हो, अभियोजन पक्ष हमेशा सरकार ही होती है। ऐसे में अगर सरकारी तंत्र ही अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाने में हीला-हवाली करता रहे तो अदालत समय से किसी ठोस फैसले तक कैसे पहुंच सकती है। प्राथमिकी दर्ज होने से लेकर मामले की जांच करने, बयान लेने, सबूत जुटाने व आरोपपत्र दायर करने तक मीलों लंबे रास्ते में सरकारी तंत्र अपनी इच्छा या फिर अनिच्छा से कदम-कदम पर रोड़े अटकाता है। खासकर प्रभावशाली और ताकतवर आरोपियों के खिलाफ चल रहे मामलों में तो समय काटना ही उसका लक्ष्य लगने लगता है। उदाहरण के लिए, रेप के ही मामले में आसाराम बापू का मामला लें तो लाख सिर पटक कर भी उसे जमानत नहीं मिली और उम्रकैद की सजा पाकर जेल में है। लेकिन इस मामले में गवाहों के बयान न दर्ज करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ने गुजरात सरकार से नाराजगी जताई थी। कोर्ट की सख्ती के बाद ही आसाराम के मामले में तेजी आई और उसका फैसला हो सका।

जाहिर है कि हर मामले में कोर्ट सरकार की जगह तो नहीं ले सकता। जब हम मुकदमों के सालों साल लटके रहने पर पुरानी फिल्मों के डायलॉग दोहराते हैं, अदालत की सुस्ती पर ढेरों एंगल खोजकर लाते हैं, तो थोड़ी तफ्शीश हमें गवाह और सबूत जुटाने की प्रक्रिया की भी करनी चाहिए। हमारा ध्यान अगर सरकारों की जवाबदेही से ही हट जाएगा तो पत्रकार हत्याकांड में गुरमीत को सजा मिलने में लगे 16 सालों की गुत्थी हम कभी नहीं सुलझा पाएंगे। बहरहाल, कोर्ट का ताजा फैसला स्वयंभू बाबा या संत बनकर लोगों की भावना से खेल रहे लोगों की आंखें जरूर खोलेगा।

अपनी चाल से बाज आए पाक

पाकिस्तान में भारतीय राजनयिकों और उनके परिवारों को प्रताड़ित करने की खबरें हैरान करने वाली हैं। पाकिस्तान में जहां-जहां भी भारतीय उच्चायोग के दफ्तर हैं, वहां काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को ऐसा उत्पीड़न अक्सर झेलना पड़ता है। एक महीने में तीन बार ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। पिछले हफ्ते पेशावर में पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों ने उस वक्त हद पार डाली जब भारतीय उच्चायोग के कुछ सदस्यों को बीच सड़क पर रोक लिया गया और वहीं आधे घंटे तक उनसे पूछताछ की गई। ये लोग अपने होटल लौट रहे थे। यही नहीं, इस प्रतिनिधिमंडल को बीच रास्ते से ही इस्लामाबाद लौटने को मजबूर किया गया। इससे पहले इस्लामाबाद में राजनयिकों के आवासीय परिसर में गैस, बिजली और इंटरनेट के कनेक्शन काटे जाने की घटना सामने आई थी। राजनयिकों के साथ इस तरह की घटनाओं को अंजाम देना आसान काम नहीं होता। जाहिर है, जो हो रहा है वह किसी शीर्ष स्तर के इशारे पर ही संभव है। ऐसी घटनाएं पाकिस्तान की मंशा को उजागर करती हैं।

अब पाकिस्तान के सुरक्षाधिकारी ने भारतीय उच्चायुक्त और डिप्टी हाईकमीश्नर का पीछा किया और उन पर कड़ी नजर रखी जब वह एक शादी के रिसेप्शन में हिस्सा लेने के लिए चार दिसंबर को होटल पहुंचे थे। भारतीय पक्ष ने दूसरे सचिव (सेकंड सेक्रेटरी) के सोशल मीडिया अकाउंट को हैक करने की कोशिशों के बारे में भी शिकायत की है। सकंड सेक्रेटरी के एक रिश्तेदार के अकाउंट को भी हैक करने की कोशिश हुई हैं। वहीं सेक्रेटरी को फेसबुक से कई ईमेल मिले है कि कोई अज्ञात शख्स उनके अकाउंट को लगातर लॉग इन करने की कोशिश कर रहा है। भारत का कहना है कि इस तरह की कोशिशें आक्रामक निगरानी, गोपनीयता व उत्पीड़न का उल्लंघन हैं। दरअसल, भारतीय राजनयिकों को प्रताड़ित किए जाने की ऐसी घटनाएं लंबे समय से होती रही हैं। जांच के नाम पर अधिकारियों को देर तक परेशान करने, उनके दस्तावेज छीन लेने, राजनयिकों के मेहमानों को परेशान करने, उनका पीछा करने, संदिग्ध तौर पर उनके घरों के आसपास घूमने, डराने-धमकाने जैसी घटनाएं आम बात हैं।

मामला तब ज्यादा गंभीर हुआ जब कुछ समय पहले पाकिस्तान में भारतीय उच्चायुक्त और महावाणिज्य दूतावास के अधिकारी भी ऐसी हरकत का शिकार हुए। पाक के अधिकारियों ने भारत के उच्चायुक्त को गुरुद्वारा पंजा साहिब में जाने से रोक दिया था और सिख तीर्थयात्रियों को भी उनसे नहीं मिलने दिया जा रहा था। हालांकि भारत इस घटनाक्रम पर कड़ी आपत्ति जता चुका है। लेकिन इस तरह की

भारत को परेशान करने के लिए उसने अब नया पैंतरा चला है। वहां काम कर रहे भारतीय राजनयिकों को परेशान करने का। निश्चित रूप से इस तरह के कई मामले समय-समय पर आते रहेंगे। पाक को लगता है कि अगर वह राजनयिकों और उनके परिवारों को परेशान करेगा, तो भारत नरम पड़ जाएगा और वह उसकी फजीहत नहीं करेगा। पर यह उसकी भूल है। भारत ने एजेंडा साफ कर रखा है और वह उसी पर चलेगा भी।

घटनाएं बदस्तूर जारी हैं। राजनयिकों के साथ इस तरह का 'सुनियोजित' अभद्र व्यवहार हमेशा गंभीर मामला होता है। किसी भी देश में राजदूत या उच्चायुक्त अपने देश के प्रतिनिधि होते हैं और उनके साथ अगर कुछ भी बुरा घटित होता है तो यह सीधा-सीधा उस देश के खिलाफ कदम माना जाता है। पाकिस्तान भारतीय राजनयिकों के साथ जो कर रहा है उसे क्या भारत के खिलाफ मुहिम नहीं मानी जानी चाहिए? ताज्जुब है कि पिछले कुछ समय में भारत ने पाकिस्तान के साथ जितनी सदाशयता दिखाई है, करतारपुर साहिब गलियारा बनाने जैसी पहल की है, उसके बदले में पाक ने राजनयिकों को निशाना बनाने की चाल चल दी है। इमरान खान ने प्रधानमंत्री पद की शपथ के बाद दोस्ती के लिए जिस तरह की लंबी-चौड़ी बातें की थीं, ऐसी घटनाओं से उन पर पानी फिरता नजर आ रहा है।

यह शुरू से ही कहा जा रहा है कि इमरान खान सरकार सेना की कठपुतली है। सेना को अगर लगता है कि सरकार उसके एजेंडे से हट सकती है और भारत के साथ ज्यादा दरियादिली दिखा रही है या दोनों देशों के बीच कोई तनाव वाली स्थिति बनती है, तभी ऐसी घटनाएं सामने आती हैं। सरकार या विदेश मंत्रालय राजनयिकों को परेशान करने जैसा कदम नहीं उठा सकता है। इसके लिए सेना और आईएसआई का दबाव होता है और उनके लिए सरकार की विदेश नीति कोई अहमियत नहीं रखती। पाकिस्तान की सरकार एक तरफ तो भारत का अच्छा पड़ोसी बनने का दावा करती है, दूसरी ओर ऐसे काम भी करती है जो दोस्ती को पटरी से उतारने वाले हों। ऐसे में भारत को चाहिए कि वह पाक को राजनयिक चैनलों के जरिए ही उचित जवाब दे। पाक को यह भी देखना चाहिए कि भारत में उसके अफसरों के साथ कैसा व्यवहार हो रहा है।

अभी कुछ दिन पहले नई दिल्ली के सरोजिनी नगर मार्केट में पाकिस्तान के अधिकारी ने महिला को कथित तौर पर गलत तरीके से छुआ था। जिसकी उसने पास के थाने में शिकायत की थी। महिला के अनुसार उस अधिकारी ने बाजार में उसे गलत तरीके से छुआ था। वहीं कर्मचारी का कहना है कि बाजार में भारी भीड़ होने की वजह से गलती से उसका हाथ महिला को छू गया था। हालांकि तब अधिकारी ने लिखित तौर पर माफी मांग ली थी। जिससे यह मामला बंद हो गया था। उस अधिकारी को पुलिस ने हिरासत तक में नहीं लिया। उल्टे पाक में अफसरों को घंटों थाने में बैठाए रखने और उन्हें परेशान करने का बहाना तलाशा जाता है। यही नहीं उनके परिवारों को भी परेशान करने का बहाना पाक के अधिकारी ढूंढते रहते हैं। इस्लामाबाद में राजनयिकों के आवासीय परिसर में गैस, बिजली और इंटरनेट के कनेक्शन काटे जाने की घटना इसी को पुष्ट करती है। इमरान सरकार इन घटनाओं से चाहे जितना पल्ला झाड़े, मगर वह बच नहीं सकती। संबंध बेहतर बनाने की बात करने और संबंध बेहतर बनाने में फर्क होता है। बातें पाकिस्तान आजादी के बाद से ही कर रहा है, लेकिन अमल आज तक नहीं कर पाया। कितनी सरकारें आईं और गईं, मगर किसी ने भी संबंधों की बेहतरी की तरफ ध्यान नहीं दिया। सब के सब भारत को कैसे नीचा दिखाया जाए, इसी में लगे रहे। वहीं भारत पाक से संबंध बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ता रहा। भारत ने बस सेवा शुरू की, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवाज शरीफ को जन्मदिन की बधाई देने लाहौर की यात्रा तक की। बदले में हमें मिला उरी में हमला। उसके बाद भी भारत की कोशिशें जारी रहीं। भारत ने पठानकोट सैन्य अड्डे पर हुए हमले की जांच के लिए पाक के दल को भारत आने का न्यौता भी दिया। जब भारत के दल की पाकिस्तान जाने की बारी आई तो वह मुकर गया। मुंबई हमले के दोषी आतंकी सरगनाओं को वह आज तक सजा नहीं दे पाया है। आतंकवाद बदस्तूर जारी है। तो अब पीएम इमरान खान आतंकवाद पर भारत को ही ज्ञान देने लगे हैं। यह सब साबित करता है कि पाक की भारत के साथ संबंध बेहतर बनाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। वह मानने वाला नहीं है।

भारत को परेशान करने के लिए उसने अब नया पैंतरा चला है। वहां काम कर रहे भारतीय राजनयिकों को परेशान करने का। निश्चित रूप से इस तरह के कई मामले समय-समय पर आते रहेंगे। पाक को लगता है कि अगर वह राजनयिकों और उनके परिवारों को परेशान करेगा, तो भारत नरम पड़ जाएगा और वह उसकी फजीहत नहीं करेगा। पर यह उसकी भूल है। भारत ने एजेंडा साफ कर रखा है और वह उसी पर चलेगा भी। पाक यह जान ले कि वह आईएसआई और सेना के मोह में फंसकर भारत को परेशान करता रहा तो नुकसान भी उसी का होगा। आज पाक को जिल्लत भरी नजरों से देखा जाने लगा है। अमेरिका में ट्रंप सरकार आने के बाद से कार्रवाई का दौर जारी है। इसके बाद भी पाक को लगता है कि वह राजनयिकों को परेशान कर भारत को बैकफुट पर ला देगा, तो वह अपना ही नुकसान करेगा।

अनुजा तिवारी
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

राम रहीम जैसे लोग समाज के लिए नासूर हैं। ऐसे लोगों के रहते स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं हो सकता क्योंकि ये लोग दूसरों की सोच को कुंद कर देते हैं।

विजय विद्रोही, वरिष्ठ पत्रकार

मेरे परिवार ने एक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी है और मां ने काफी कुछ झेला है, अब राम रहीम को सजा मिलने के बाद सभी खुश हैं और मां की आखों में संतुष्टि है।

श्रेयसी, रामचंद्र की बेटी

सत्यार्थ

साधना और पलायन में फर्क

यह उस समय की बात है, जब स्वामी रामकृष्ण परमहंस की चर्चा दूर-दूर तक होने लगी थी। लोगों में, खासकर युवा पीढ़ी में उनका शिष्य बनने की होड़ सी लग गई थी। एक दिन इस उद्देश्य से ही एक युवक परमहंसजी के पास पहुंचा और उन्हें प्रणाम करके बोला- महात्मन्, मुझे भी अपना शिष्य बना लीजिए और गुरुमंत्र दे दीजिए, ताकि मैं भी संत बन सकूं। युवक की बात सुनकर परमहंस मुस्कराए। फिर उन्होंने पूछा- तुम्हारे परिवार में तुम्हारे अलावा और कौन-कौन है? युवक ने उत्तर दिया- मेरे घर में मेरे अलावा केवल मेरी बुजुर्ग मां है। परमहंस कुछ देर तक मौन रहे, फिर पूछा- तुम गुरुमंत्र लेकर साधु क्यों बनना चाहते हो? यह सवाल सुनकर युवक बोला- मैं मोहमाया से भरे संसार को छोड़कर मुक्ति पाना चाहता हूं। परमहंस ने उसको समझाया कि तुम मुक्ति नहीं चाहते, बल्कि अपनी जवाबदेही से भाग रहे हो। मुक्ति तो एक बहाना मात्र है। तुम्हें लगता है कि साधु बनकर तुम बिना किसी दायित्व के जीवनयापन कर लोगे। तुम्हारा काम इससे चल ही जाएगा, बाकी लोग चाहे जो करें। यह साधना नहीं पलायन है। आजकल बहुत से लोग ऐसा ही कर रहे हैं। यह अपनी शक्ति का दुरुपयोग है। अपनी बूढ़ी मां को असहाय छोड़ोगे, तो तुम्हें मुक्ति कभी नहीं मिलेगी। तुम्हारी सच्ची मुक्ति तो इसमें ही है कि तुम पूरी शक्ति लगाकर अपनी बुजुर्ग और असहाय माता की सेवा करो। उनकी सेवा ही ईश्वर की भक्ति है। वैसे भी माता को ग्रंथों में ईश्वर के जैसा बताया गया है। युवक परमहंस की बात समझ गया। उसने साधु बनने की योजना छोड़ दी और घर लौटकर अपनी मां की सेवा में जुट गया। ऐसे परम संत थे, रामकृष्ण परमहंस, जो भटके हुए लोगों को राह दिखाते थे।

राधा नाचीज

डेजर्ट क्लासिक गोल्फः लाहिड़ी ने 70 का कार्ड खेला, संयुक्त 70वें स्थान पर पहुंचे

ला किंवा (कैलिफोर्निया)

भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने यहां डेजर्ट क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट के शुरूआती दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त रूप से 70वें स्थान पर चल रहे हैं। टूर्नामेंट में कट तीसरे दौर के बाद होगा। फिल मिकेलसन (48) ने दिखा दिया कि उम्र सिर्फ संख्या है, उन्होंने 12 अंडर 60 का कार्ड खेला, जिससे वह पीजीए इतिहास में तीन बार 60 या इससे बेहतर का कार्ड खेलने वाले पहले गोल्फर बन गए। एडम लोंग नौ अंडर के कार्ड से दूसरे स्थान पर हैं।

मलेशिया मास्टर्स : ओकुहारा को हरा सेमीफाइनल में पहुंची साइना, श्रीकांत हारे

कुआलालम्पुर (एजेंसी)।

भारतीय बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल ने मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में पूर्व विश्व चैम्पियन नोजोमी ओकुहारा को कड़े मुकाबले में शिकस्त देकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की जबकि किदाम्बी श्रीकांत हारकर बाहर हो गए। सत्र के पहले सुपर-500 टूर्नामेंट में 7वीं वरीयता प्राप्त साइना ने यहां 48 मिनट चले संघर्षपूर्ण मुकाबले को 21-18, 23-21 से अपने नाम किया। इस मैच से पहले दोनों खिलाडियों की जीत हार का रिकार्ड 8-4 से साइना के पक्ष में था। साइना दोनों गेमों में बड़े अंतर से पिछड़ रही थी लेकिन उन्होंने दमदार वापसी की। साइना पहले गेम में एक समय 9-15 और दूसरे गेम में 14-18 से पिछड़ रहीं थी। हैदराबाद की 28 साल की इस खिलाड़ी ने 350,000 अमेरिकी डालर इनामी राशि वाले टूर्नामेंट को 2017 में जीता था और 2011 में उपविजेता रहीं थी। सेमीफाइनल में उनका सामना शनिवार को तीन बार की विश्व चैम्पियन कैरोलिना मारिन से होगा। साइना ने स्पेन की इस खिलाड़ी को पिछले10 मुकाबलों में से पांच में हराया है। वहीं श्रीकांत को चौथी वरीयता प्राप्त कोरिया के सोन वान हो ने 21-23, 21-16, 21-17 से मात दी। ओकुहारा के खिलाफ साइना का मुकाबला शुरू से काफी कड़ा रहा। पहले सेट में मैच 9-9 की बराबरी पर था तब ओकुहारा लगातार छह अंक जीत कर बड़े अंतर से आगे हो गई लेकिन साइना ने वापसी करते हुए 17-16 कर बढ़त कर ली। मैच इसके बाद 17-17 की बराबरी पर पहुंचा जिसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने ज्यादा मौके नहीं दिए और 21-18 से गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में साइना से अच्छी शुरूआत करते हुए 4-2 की बढ़त हासिल की लेकिन ओकुहारा ने वापसी करते हुए 8-5 से बढ़त बना ली। साइना ने फिर वापसी करते हुए 11-9 और ब्रेक के बाद 14-12 की बढ़त हासिल की। ओकुहारा ने इसके बाद लगातार छह अंक बटोर लिए जिससे स्कोर 18-14 हो गया। साइना ने दमदार खेल से वापसी की इसे 19-19 बराबर किया। ओकुहारा को इसके बाद 2 बार गेम प्वाइंट हासिल करने का मौका मिला लेकिन दोनों बार वह चूक गई। साइना ने 2 अंक की बढ़त के साथ सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

संक्षिप्त समाचार

गावस्कर ने भारतीय टीम की वनडे जीत के बाद उठाए सवाल

मेलबर्न। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने मेजबान आस्ट्रेलिया को इस बात के लिए लताड़ा कि उसने भारतीय टीम के ऐतिहासिक श्रृंखला जीतने के बाद कोई नकद पुरस्कार की घोषणा नहीं की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी उस राजस्व के हिस्सेदार हैं जिससे बनाने में मदद करते हैं। भारत ने आस्ट्रेलिया में उसको पहली बार द्विपक्षीय वनडे सीरीज में 2-1 से हराया। मैन आफ द मैच युजवेंद्र चहल और मैन आफ द सीरीज महेंद्र सिंह धोनी को मैच के बाद 500-500 डालर दिए गए। खिलाड़ियों ने यह इनामी राशि दान में दे दी। टीम को पूर्व बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने महज विजेता ट्राफी प्रदान की। गावस्कर ने मेजबानों की आलोचना की कि उन्हें कोई नकद पुरस्कार नहीं दिया गया। गावस्कर ने 'सोनी सिक्स' से कहा, ''500 डालर क्या हैं, यह शर्मनाक है कि टीम को सिर्फ एक ट्रॉफी मिली। वे (आयोजक) प्रसारण अधिकारों से इतनी राशि अर्जित करते हैं। वे खिलाडियों को अच्छी इनामी राशि क्यों नहीं दे सकते? आखिरकार खिलाड़ी ही खेल को इतनी राशि (प्रायोजकों से) दिलाते हैं। '' उन्होंने कहा, ''विम्बलडन चैम्पियनशिप में दी जाने वाली राशि को देखिए। ''

महिला हॉकी : स्पेन दौरे के लिए रानी को भारतीय टीम की कमान

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को स्पेन टूर के लिए 18 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान कर दिया। स्ट्राइकर रानी रामपाल को टीम की कमान सौंपी गई है जबकि गोलकीपर सविता उपकप्तान होंगी। स्पेन का टूर 26 जनवरी से शुरू होगा। इस टूर पर भारतीय टीम स्पेन के साथ चार मैच खेलेगी जबकि विश्व कप उपविजेता आयरलैंड के खिलाफ उसे दो मैच खेलने हैं। भारतीय टीम में डिफेंडर सुशीला चानू की वापसी हुई है। वह पिछले वर्ष हुए विश्व कप में टीम का हिस्सा नहीं थीं। रजनी ईतिमारपु टीम की दूसरी गोलकीपर होगी। भारत की अंडर-18 टीम के साथ यूथ ओलम्पिक में रजत पदक जीतने वाली डिफेंडर सालिमा टेटे को भी टीम में शामिल किया गया है। उनके साथ अनुभवी खिलाड़ी दीप ग्रेस एक्का, रीना खोखर, निक्की प्रधान और ड्रैग फ्लिकर गुरजीत कौर भी भारत के डिफेंस को मजबूती प्रदान करेगी। मिडफील्ड में लिलिमा मिंज, करिश्मा यादव, सोनिका और नेहा गोयल जबकि फॉरवर्ड-लाइन में रानी, वंदना कटारिया, नवनीत कौर, लालरेमसियामी, उदिता और नवजोत कौर को मौका दिया गया है। टीम के मुख्य कोच शुअर्ड मरेन ने कहा, ÷टीम में इस बार अलग मिश्रण है और सुनीता लाकड़ा, नमिता टोप्पो समेत कुछ अन्य अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। हम अधिक खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर पर खेलने का अनुभव प्रदान करना चाहते हैं। बेंगलुरू से 24 जनवरी को टीम रवाना होगी।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया में रचा इतिहास, धोनी की बदौलत 2-1 से जीती वनडे सीरीज

मेलबर्न (एजेंसी)।

विकेटकीपर महेंद्र सिंह धोनी की शानदार बदौलत भारत ने आस्ट्रेलिया को तीसरे वनडे में 7 विकेट से हराकर 3 मैचों की सीरीज पर 2 -1 से कब्जा कर लिया। इसी के साथ भारतीय टीम ने आस्ट्रेलिया में पहली बार कोई वनडे सीरीज जीतने का कारनामा किया, जिसका श्रेय पूरी टीम के खिलाड़ियों और कप्तान विराट कोहली को जाता है। आस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 231 रनों का लक्ष्य रखा जिसे भारत ने धोनी की नाबाद 87 रनों की पारी की बदौलत 5 गेंद शेष रहते मैच जीत लिया। धोनी को केदार जाधव का साथ मिला जिन्होंने 57 गेंदों में 61 रनों की नाबाद पारी खेली। ओपनर शिखर धवन ने 23, रोहित शर्मा ने 9 और कोहली ने 46 रन बनाए। धोनी ने 6 चौकों की मदद से 114 गेंदों में यह मैच जिताऊ पारी खेली।

चहल ने की शानदार गेंदबाजी

इससे पहले भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने सीरीज में पहला मौका मिलने का पूरा फायदा उठाते हुए 42 रन पर छह विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को 48.4 ओवर में 230 रन पर समेट दिया। चहल ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 10 ओवर में 42 रन देकर छह विकेट लिए जो ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर किसी भी गेंदबाज का संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारतीय तेज गेंदबाज अजीत आगरकर ने 9 जनवरी 2004 को इसी मैदान पर 42 रन पर छह विकेट लिए थे। किसी स्पिनर का ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। सीरीज में पहला मैच खेल रहे चहल ने अपना भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरियन में 22 रन पर पांच विकेट था। चहल के छह विकेटों के अलावा तेज गेंदबाजों भुवनेश्वर कुमार ने 28 और मोहम्मद शमी ने 47 रन देकर दो-दो विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया के लिए पीटर हैंड्सकांब ने 63 गेंदों में दो चौकों की मदद से 58 रन की पारी खेली। पिछले मैच के शतकधारी शॉन मार्श ने 54 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 39, उस्मान ख्वाजा ने 51 गेंदों में दो चौकों की मदद से 34, ग्लेन मैक्सवेल ने 19 गेंदों में पांच चौकों के सहारे 26, झाय रिचर्डसन ने 16, कप्तान आरोन ड्क्षफच ने 14 और पीटर सिडल ने नाबाद 10 रन बनाये।

जब बल्ला नहीं चलेगा तो मैं खुद क्रिकेट छोड़ दूंगा: धोनी

नई दिल्ली (एजेंसी):

आलोचकों ने भले ही उसका बोरिया बिस्तर बांध दिया था लेकिन माही को अपनी काबिलियत पर यकीन है और उसने आस्ट्रेलिया में बल्ले से जवाब देकर साबित कर दिया कि भारतीय टीम के लिए आज भी उससे बेहतर 'मैच फिनिशर ' नहीं है, यह कहना है महेंद्र सिंह धोनी के पहले कोच केशव रंजन बनर्जी का । रांची के जवाहर विद्या मंदिर में धोनी को फुटबाल से क्रिकेट में लाने वाले बनर्जी ने कहा कि आलोचना या प्रशंसा पर प्रतिक्रिया जताना कभी उसकी आदत नहीं रही ।

उन्होंने रांची से दिए इंटरव्यू में कहा ,'' वह कभी बोलता नहीं है । बल्ले से जवाब देता है । आस्ट्रेलिया जाने से पहले मैने उससे कहा कि लोग इतना बोल रहे हैं तो तुम जवाब क्यो नहीं देते । इस पर उसने कहा कि आलोचना से क्या होता है । जिस दिन मुझे लगेगा कि मैं टीम को सौ फीसदी नहीं दे पा रहा हूं, मैं खुद क्रिकेट छोड़ दूंगा।''

अब हल्के बल्ले खेल रहे हैं धोनी

बनर्जी ने कहा ,'' अब आस्ट्रेलिया में मैन आफ द सीरीज रहकर उसने अपने आलोचकों को जवाब दे दिया है । उसकी फिटनेस और टीम की जरूरत के हिसाब से खेली गई पारियां बेजोड़ रही । उसके इस तरह खेलने से दूसरे बल्लेबाजों को भी हौसला मिला ।'' उन्होंने कहा,'' आस्ट्रेलिया जाने से पहले रांची में उसने काफी अभ्यास किया । बच्चों के साथ मैदान पर घंटो मेहनत की और उसे यकीन था कि वह अच्छा खेलेगा।'' यह पूछने पर कि उनसे धोनी की क्या बात हुई थी, उन्होंने बताया कि अब वह हलके बल्ले से खेल रहा है । उन्होंने कहा ,'' माही ने बताया कि अब वह भारी बल्ला लेकर नहीं खेल रहा जो 27-28 साल की उम्र में खेलता था । इसके साथ ही फिटनेस पर लगातार मेहनत करता आ रहा है जो मैदान पर दिखती है । चाहे विकेटों के बीच दौड़ हो या विकेट के पीछे कीपिंग , उसकी मुस्तैदी देखते बनती है ।''

एजेंडा बनाकर आलोचना करने वालों को जवाब दूंगा: शास्त्री

मेलबर्न (एजेंसी)।

भारत के मुख्य कोच रवि शास्त्री हालांकि जवाब देने में विश्वास नहीं करते लेकिन स्पष्ट किया कि अगर उन्हें लगता है कि राष्ट्रीय टीम की आलोचना किसी एजेंडे के तहत की जा रही है तो वह इसका सीधे जवाब देंगे। द डेली टेलीग्राफ से बात करते हुए शास्त्री ने विराट कोहली की प्रशंसा की और कहा कि जिस तरह से वह बल्लेबाजी करता है, वह %विवियन रिचर्ड्स के करीब आता हैं। आलोचनाओं के बारे में उन्होंने हालांकि किसी का सीधे जिक्र नहीं किया कि वह किसे निहित स्वार्थों से प्रेरित समझते हैं। इस अखबार के लिये इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन उनका साक्षात्कार ले रहे थे। शास्त्री ने कहा कि आप इसकी उम्मीद करते हो। मैं उन व्यक्तियों में से एक हूं जो मानते हैं कि अगर ये रचनात्मक हैं तो ठीक है। लेकिन अगर मुझे लगता है कि ये किसी एजेंडे को लेकर की जा रही हैं तो मैं सीधे इसका जवाब दूंगा। मैं सच कह रहा हूं। मुझे परवाह नहीं कि वो कोई महान व्यक्ति है या कोई सामान्य व्यक्ति। अगर मुझे लगता है कि मुझे इसका जवाब देना है तो मैं ऐसा करूंगा। हाल में महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने पर्थ टेस्ट में भारत को मिली हार के बाद टीम की आलोचना की थी जिन्होंने टीम के संयोजन और ट्रेनिग के तरीकों पर सवाल उठाये थे। शास्त्री ने उन्हें जवाब देते हुए कहा था यह सैकड़ो मील दूर से हवा में तीर छोड़ने जैसा है। शास्त्री की जवाब प्रतिक्रिया देते हुए गावस्कर ने कहा था कि हमारी प्रतिक्रियाओं ने ही मेलबर्न में टीम को अच्छा करने के लिए प्रेरित किया। शास्त्री से जब सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली के बीच तुलना करने के लिए कहा गया तो उन्होंने कहा कि तेंदुलकर ज्यादा शांत खिलाड़ी थे और अपने दायरे में रहते थे जबकि कोहली काफी आक्रामक है। उन्होंने कहा कि कल किसी ने मुझ से पूछा कि क्या सचिन (तेंदुलकर) और विराट कोहली में कोई समानता है तो मैंने कहा बहुत समानता है। चलिए काम की नैतिकता से शुरू करते है। उन्होंने कहा कि वे काफी कड़ी मेहनत करते है। घंटो नेट पर अभ्यास करते है और आपके क्रिकेट के लिए अपनी जरूरी चीजों का त्याग करते है। दोनों दूसरे पर अंगुली नहीं उठाते। अगर आप गलती करते है तो उसे स्वीकार करना चाहिए। वे ऐसा ही करते है। शास्त्री ने इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच अंतर को को बताया। विराट (कोहली) काफी आक्रामक है। वह जिस तरह से बल्लेबाजी करते है वह विवियन रिचर्ड के काफी करीब है। वे तेज गेंदबाजों और विरोधियों को आक्रामकता से जवाब देते है। वह कड़ी मेहनत से पीछे नहीं हटते। उन्होंने बल्लेबाजी के ये गुर इंग्लैंड में सिखे। शास्त्री के मुताबिक कोहली की सबसे बड़ी खासियत उनकी मानसिकता है जो उनसे काफी मिलती है। वह टीम के खिलाड़ियों का काफी ख्याल रखते है और दूसरो के लिए आदर्श है। उन्होंने कहा कि वह अपनी टीम के खिलाड़ियों का काफी ख्याल रखते है और एक आदर्श खिलाड़ी है। वह महान खिलाड़ी बनने के बाद भी आपने दायरे में रहते है और विन्रम है। वह टेस्ट क्रिकेट का सम्मान करते है। कोहली ने हाल ही में युवाओं से छोटे प्रारूप को छोड़कर टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान देने को कहा था। उन्होंने कहा कि हमारे देश में टी20, आईपीएल और एकदिवसीय को काफी पसंद किया जाता है। अगर विराट कोहली कहते है, मैं टेस्ट क्रिकेट से ऊब गया हूं तो खेल पर उसका काफी बुरा असर होगा।

आर्षवंत ने यूएस किड्स गोल्फ इंडिया टूर में जीता तीसरा खिताब

गुरुग्राम (एजेंसी)।

घने कोहरे के बीच शुक्रवार को यहां के क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब में यूएस गोल्फ किड्स इंडिया टूर 2018-19 के पांचवें लेग का सफल आयोजन हुआ। इस लेग में बड़ी संख्या में युवा गोल्फरों ने हिस्सा लिया। गुरुग्राम पहुंचने वाले युवा उत्साही गोल्फरों तीन भारतीय विदेशी भी थे। ये लंदन, रिचमंड और जॉन क्रीक से आए थे। बाकी के युवा गोल्फर कोलकाता, पुणे, मेरठ और मोहाली से यहां पहुंचे थे। दक्षिण भारत में शानदार सफलता अर्जित करने के बाद यूएस गोल्फ किड्स इंडिया टूर एक बार फिर इस सप्ताह गुरुग्राम लौटा। घने कोहरे के बीच गोल्फ खेलना मुश्किल था लेकिन बहुत ही सलीके से तैयार किए कोर्स के कारण युवा गोल्फरों का काम काफी आसान हो गया। आर्षवंत श्रीवास्तव के लिए खराब मौसम बाधा नहीं बना। आर्षवंत ने नौ साल के लड़कों के कटेगरी में तीसरा इस टूर का तीसरा खिताब अपने नाम किया। बैक-9 पर अनुशासित खेल दिखाने के कारण आर्षवंत ने यह सफलता हासिल की। दिल्ली के 14 साल के कृष्णव चोपड़ा ने ब्वॉएज 13-14 कटेगरी में वन ओवर पार के शानदार स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया जबकि दिल्ली के ही अंशुल खबतियाल ने इसी कटेगरी में टू ओवर पार के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। लड़कों के 15-18 कटेगरी में दिल्ली के आर्यमान महंत काफी प्रभावशाली दिखे। आर्यमान ने 75 के स्कोर के साथ अपने ग्रुप में टॉप किया। अमेरिका से आए श्लोक जैन ने 75 के स्कोर के साथ लड़को के 12 साल के कटेगरी का खिताब जीता। लड़कियों के बीच भी जोरदार प्रतिस्पर्धा देखी गई। 12-14 साल की कटेगरी में रागिनी नवेत ने 78 और सैफत सायाल ने 79 स्कोर के साथ क्रमश- पहला और दूसरा स्थान हासिल किया। लड़कियों की 8-9 साल की कटेगरी में रेहा कुमार ने जीत का क्रम जारी रखा है लेकिन इस बार वह अकेले खिताब नहीं जीत सकीं। उन्हें नोएडा की पारनिका शर्मा के साथ खिताब साझा करना पड़ा। दोनों ने 39-39 स्कोर किए। उल्लेखनीय है कि यूएस किड्स गोल्फ इंडिया टूर का यह पहला संस्करण है। इसके तहत छह शहरों में आठ टूर्नामेंट्स का आयोजन होना है। दिल्ली एनसीआर में तीन टूर्नामेंट होने हैं। इसके अलावा कोलकाता, बेंगलुरू, हैदराबाद, चंडीगढ़ और पुणे में टूर्नामेंट होना है।

शारापोवा ने गत चैम्पियन वोज्नियाकी को हराकर किया उलटफेर

मेलबर्न (एजेंसी):

पांच बार की ग्रैंडस्लैम विजेता मारिया शारापोवा ने शुक्रवार को महिला एकल मुकाबले में गत चैम्पियन कैरोलीन वोज्नियाकी को शिकस्त देकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के चौथे दौर में जगह पक्की की। रूस की इस खिलाड़ी ने डेनमार्क की विश्व रैंकिंग में पहले स्थान पर काबिज वोज्नियाकी को तीन सेट तक चले मुकाबले को 6-4, 4-6, 6-3 से अपने नाम किया। 2017 में प्रतिबंधित पदार्थ के परीक्षण में विफल होने से लगे निलंबन की वापसी के बाद यह उनकी सबसे बड़ी जीत है। अब अंतिम 16 में 2008 की चैम्पियन शारापोवा का सामना स्थानीय खिलाड़ी एश बार्टी से होगा। शारापोवा ने अपना अंतिम ग्रैंडस्लैम 2014 में जीता था, जब वह फ्रेंच ओपन चैम्पियन बनी थी। अमेरिका की पांचवी वरीयता प्राप्त स्लोआने स्टीफंस 31वीं वरीयता प्राप्त क्रोएशिया कि पेत्रा मार्टिच को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची। अमेरिकी ओपन की पूर्व विजेता ने इस संघर्षपूर्ण मैच को 7-6, 7-6 से किया। अंतिम-16 में उन्हें रूस की अनास्तासिया पावलुचेंकोवा की चुनौती से पार पाना होगा।

पुरूष एकल में 20वीं वरीयता प्राप्त बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव ने तीसरे दौर में इटली के थामस फैबियानो को हराया।

आस्ट्रेलियन ओपन - जर्मनी की केर्बर चौथे दौर में पहुंची

मेलबर्न । वर्ल्ड नंबर-2 जर्मनी की एंजेलिक केर्बर ने शुक्रवार को यहां एकतरफा मुकाबले में आस्ट्रेलिया की किंबरली बिरेल को 6-1, 6-0 से पराजित करके साल के पहले ग्रैंड स्लैम आस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली है। रॉड लेवर एरेना में केर्बर ने तीसरे दौर के मैच को अपने नाम करने के लिए महज 58 मिनट का समय लिया। 2016 में आस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतने वाली केर्बर मुकाबले में किसी भी समय पिछड़ती नजर नहीं आई और बड़ी आसानी से जीत दर्ज की। उन्होंने पूरे मैच में केवल एक गेम गंवाया। केर्बर ने पहले सर्व पर 78 जबकि दूसरे सर्व पर 73 प्रतिशत अंक अपने नाम किए। टूर्नामेंट के चौथे दौर में केर्बर का सामना अमेरिका की डेनियले कोलिंस से होगा।

श्री श्याम कीर्तन का आयोजन

सूरत। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा एकादशी के पावन अवसर पर श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम में श्री श्याम कीर्तन का आयोजन गुरूवार को रात्रि 8:30 बजे से किया गया। इस मौक़े पर बाबा श्याम का आलोकिक श्रिंग़ार किया गया। मंदिर प्रांगण में आयोजित भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुति दी। बाबा के श्रिंग़ार के दर्शन करने और भजन संध्या में देर रात तक भक्तों की भीड़ मंदिर पर लगी रही।

अग्रसेन भवन के श्याम कुंज हाल में लगी कूकिंग की क्लास

सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट सर्जित अग्रसेन महिला शाखा द्वारा कूकिंग क्लास का आयोजन शुक्रवार अग्रसेन भवन के श्याम कुंज हाल में दोपहर 2.30 बजे किया गया। महिला शाखा अध्यक्षा रेणु गुप्ता ने बताया कि हमरी कूकिंग शेफ डालसी बचकानीवाला ने सबकों अच्छे आसान टिप्स सिखाएं। ब्राक्ली किनवा खिचड़ी, आरेंज बेसिल केक। वो मास्टर शेफ की सेकंड राउंड की रनरअप रही है। मीडिया प्रभारी सुनीता जलान ने बताया कि करीब 175 महिलाएं उपस्थित थी। सुनिता कानोड़िया अनीता और शालिनी उपस्थित रहे।

कोसाड आवास में रहने वाले परिवार द्वारा आत्महत्या का प्रयास

जहरीली दवा पीने से पति की मौत, पांच वर्षिय पुत्रि की हालत नाजुक

सूरत। सूरत के अमरोली विस्तारमे आने वाले कोसाड़ आवास में रहने वाले एक परिवर के तीन लोगों द्वारा जहरीली दवा पी ली। आसपास के लोगों को जब पता चला तो तीनों को स्मीमेर होस्पिटल में ले जाया गया। जहां पति की मोत हो गई और पत्नि और पांच वर्ष की लड़की की हालत गंभीर बनी हुई है। होस्पिटल के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आत्महत्या करने वाले नरेन्द्र शिवपुरी कोली (30) अेम्ब्रोयडरी कारखाना में काम करता था। कल गुरुवार के दिन सुबह नरेन्द्रभाई पत्नी प्रियंका और मासूम लड़की मैत्री के साथ कतारगाम स्थित गुरुकुल घुमने गए थे। जहां से वे शाम को लोटे और रात्रि खाने के बाद पुरा परिवार सो गया। शुक्रवार की सुबह पुरा परिवार जहरीली दवा पिया हुआ था उन्हे तत्काल आटो रिक्षा से स्मीमेर होस्पिटल ले जाया गया। जहां नेरन्द्र भाई को मृत घोस्ति कर दिया गया। पत्नी प्रियंका और लड़की मैत्री की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। हाल में अमरोली पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है। मूल यूपी के कोली समाज परिवार कोसाड़ में आने वाले आवासमा काफी समय से रह रहे थे। हाल में आर्थिक संकट से जुझने का कारण सामने आ रहा है। पुलिस इस मामले से जुड़े हर पहलु पर ध्यान दे रहे है ताकी इस मामले को जल्द से जल्द सुल्झाया जा सके।

सापुतारा टेबल प्वाइंट पर सूरत की मीनी ट्रावेल्स की बस पल्टी

बस पल्टने से 10 महिलाओं और 3 बालकों घायल

सूरत। शुक्रवार की दोपहर सापुतारा के टेबल पोईन्ट पर सूरत की मीनी ट्रावेल्स बस पल्टने से 10 महिलाओं सहित 3 बालकों को चोट आई जिसके बाद इन सभी को 108 एम्बुलेंस के माध्यम से प्राथमिक उपचार के लिए ले जाया गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह डांग जिला के सापुतारा में ट्रावेल्स बस पल्टी होने से दुर्घटना हो गई। सूरत के बारडोली से आजे मीनी ट्रावेल्स बस प्रवास पर गई थी। श्री शनेश्वरी ट्रावेल्स की बस दोपहर 12 बजे सापुतारा पहुंच गई। टेबल पवाईंट के उपर चालक स्टीयरींग के उपर से अपना काबू खो दिया जिसके कारण बस पलट गई। बसमें सवार 10 महिलाओं समेत 3 बालकों को छोटी मोटी चोटे आई है।

सूरत। केन्द्रीय मंत्रालय द्वारा नर्सिंग स्टाफ की पगार-भथ्था देने की मांग के साथ नवी सिविल होस्पिटल की निर्सिंग स्टाफ प्रितकात्मक आंदोलन शुरु किया है जिसमें होस्पिटल में विदाउट ड्रेंस सिविल में काम कर रही है।

जियो का नेटवर्क ५जी सेवाओं के लिए तैयार है

रिलायंस ई-कॉमर्स बिजनस की गुजरात से होगी शुरुआत

जियो, रिलायंस रीटेल के नए ई-कॉमर्स प्रॉजेक्ट्स से गुजरात में १२ लाख दुकानदारों को फायदा: मुकेश अंबानी

गांधीनगर । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी अपने ई-कॉमर्स मॉडल को सबसे पहले गुजरात में आजमाएंगे । अंबानी प्रभावशाली तरीके से ई-कॉमर्स सेक्टर में कदम रखने जा रहे हैं। रिलायंस का नया वेंचर ठीक उसी तरह ऐमजॉन और फ्लिपकार्ट को चुनौती दे सकता है जैसे जियो ने टेलिकॉम सेक्टर में उतरते ही प्रतिद्वंद्वियों के लिए मुश्किलें बढ़ा दी । वाइब्रेंट गुजरात समिट में अपने प्लान के बारे में बताते हुए अंबानी ने खुलासा किया कि वह ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म को सबसे पहले गुजरात में लॉन्च करेंगे । उन्होंने कहा कि जियो और रिलायंस रीटेल के नए ई-कॉमर्स प्रॉजेक्ट्स से गुजरात में १२ लाख दुकानदारों को फायदा होगा।

अंबानी ने कहा कि जियो का नेटवर्क ५जी सेवाओं के लिए तैयार है । इसलिए अब उसकी दूरसंचार इकाई और खुदरा कारोबार इकाई मिलकर एक नया प्लैटफॉर्म तैयार करेगी जो खुदरा व्यापारियों, दुकानदारों और ग्राहकों को आपस में जोड़ेगा । हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि जियो ५जी सेवाएं कब शुरू करेगा। अंबानी का रीटेल प्लान, ऑनलाइन या ऑफलाइन २०१८ में इंडिया इंक की रणनीति के लिए अहम होगा । विदेशी कंपनियों पर फरवरी २०१९ से लागू होने जा रहे सख्त ई-कॉमर्स नियमों से इसे और बल मिलेगा । जियो के जरिए कंपनी २५ करोड़ से अधिक लोगों को जोड़ चुकी है । अंबानी अब पैसा बनाने और निवेश बढ़ाने के लिए अपने प्लैटफॉर्म पर ई-कॉमर्स की शुरुआत करेंगे । इसके जरिए वह फैशन से फूड तक और इलेकट्रॉनिक्स से फाइनैंशल सर्विसेज तक उपलब्ध कराएंगे । यहां तक कि विज्ञापन का भी कारोबार होगा।

मुकेश अंबानी का प्लान ५ हजार शहरों और कस्बों में फैले ५१०० से ज्यादा जियो पॉइंट स्टोर के इस्तेमाल का है। इसके जरिए वह बिना इंटरनेट एक्सेस वाले और ऐसे लोगों तक भी पहुंचे जिन्होंने कभी ऑनलाइन शॉपिंग नहीं की है । देश के सबसे धनी व्यक्ति मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को गुजरात में अगले १० साल में ३ लाख करोड़ रुपये निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई । उन्होंने कहा कि वह ऊर्जा, पेट्रोरसायन, नई तकनीक से लेकर डिजिटल कारोबार सहित कई परियोजनाओं में यह निवेश करेंगे । मुकेश अंबानी ने कहा, गुजरात रिलायंस की जन्मभूमि और कर्मभूमि है। गुजरात हमेशा से हमारी पहली पसंद रहा है और रहेगा। रिलायंस समूह ने रिलायंस जियो के माध्यम से दूरसंचार क्षेत्र में अरबो डॉलर का निवेश किया है । उन्होंने कहा, हमने गुजरात राज्य में अब तक ३ लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है और यहां करीब १० लाख लोगों के लिए आजीविका के अवसर पैदा किए हैं। पिछले दशक की तुलना में रिलायंस आने वाले दस साल में अपने निवेश और रोजगार की संख्या को दोगुना करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट का उद्घाटन किया

स्टार्टअप के लिए हम दुनिया के सबसे बड़ा ईकोसिस्टम : मोदी

गांधीनगर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत स्टार्टअप के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा इकोसिस्टम है । भारत के साथ व्यापार करना श्रेष्ठ अवसर है क्योंकि हम दुनिया की टॉप १० एफडीआई डेस्टिनेशंस में शामिल हैं। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया के बड़े आर्थिक संस्थानों विश्व बैंक और आईएमएफ ने भारत की अर्थव्यवस्था में भरोसा जताया है । हमारा ध्यान उन बांधाओं को दूर करने में है जो हमें हमारी सर्वोच्च क्षमता तक जाने से रोक रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार की औसत जीडीपी वृद्धि दर ७.३ रही हैं। जबकि वर्ष १९९१ के बीच किसी भी सरकार की ऐसी वृद्धि नहीं हुई है। वहीं, महंगाई की औसत दर भी ४.६ फीसद है, जो १९९१ के बाद किसी भी भारतीय सरकार के दौरान सबसे कम है।

वाइब्रेंट गुजरात के मंच से पीएम नरेन्द्र मोदी ने जहां अपनी सरकार की उपलब्धिया गिनाई, वही नए भारत के निर्माण के लिए अपने साथ देश व दुनिया के उद्यमियों को भी संकल्प दिलाया। मोदी ने यहां एफडीआी, उज्जवला योजना, जीएसटी, हर घर बिजली योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि देश बदल रहा है। भारत को अगले साल तक दुनिया के टॉप ५० देशों की सूची में लाने के लिए उन्होंने अपनी टीम को लगा दिया है। मोदी ने कहा कि वाइब्रेंट गुजरात दुनिया के सक्षम ग्लोबल फोरम के रूप में उभरा है। दुनिया के कई देशों, उनकी सरकारों व औद्योगिक जगत ने भारतीय अर्थतंत्र का लोहा माना है । एफडीआई, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया व स्टार्टअप ने युवाओं के कौशल को पंख लगा दिए हैं। हॉरिजोंटल व वर्टिकल दिशा में प्रगति करना ही हमारी सबसे बड़डी चुनौती होगी । विविध राज्यों स्तर व कवालिटी ऑफ इन्फ्रास्ट्रकचर को बढाना हमारी सबसे बड़ी चुनौती है । अगले वर्ष तक देश को दुनिया के टॉप ५० देशो में शामिल करने के लिए पीएम ने अपनी टीम को कड़ी मेहनत करने की अपील की है। भारत बिजनेस के लिए तैयार है। आज से पहले इतनी संभावनाए कभी नहीं थी । उत्पादन लागत को घटाने तथा व्यापर को आसान बनाने के लिए सरकार ने गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) को अमल में लाने के साथ करों का सरलीकरण किया है। व्यापार को सुगम बनाने में डिजिटल इंडिया का खास योगदान है। डिजिटल प्रोसेस व सिंगल पॉइन्ट इंटरफेस से अब देश में व्यापार करना काफी आसान हुआ है । देश को मेन्यूफेकचर का हब बनाकर युवाओं के लिए अधिक जॉब की संभावनाएं पैदा करना उनकी प्राथमिकता है। सरकार की डिजिटल इंडिया व स्किल इंडिया मेक इन इंडिया में बड़ी मददगार साबित हो रही है, जिससे निवेश बढ़ा है। मोदी ने कहा कि भारत डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी व डिमांडके मामले में विशेष क्षेत्र बन गया है । भारत मानवीय मूल्यों का पालन करने वाला व मजबूत न्यायिक व्यवस्था वाला देश है। जीएसटी व आर्थिक सुधार कार्यक्रमो के चलते आज भारत दुनिया की तेजी से उभरीत अर्थव्यवस्था के रूप में पहचान बनाने में कामयाब रहा है। डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया के चलते भारत मैन्युफेक्चरिंग का हल बनने की ओर बढ़ रहा है । क्लीन एनर्जी, रोड, पोर्ट, रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन, एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रकचर, कवालिटी ऑफ लाइफ की दिशा में उल्लेखनिय काम हुआ है।

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट की विधिवत शुरुआत हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसकी शुरुआत कराई गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, राज्यपाल कोहली विशेष उपस्थित हुए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)